IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"जनपद पीलीभीत में प्राथमिक स्तर पर गणित एवं हिंदी में कला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।"

नीलेश नाथ - प्रवक्ता , **महेंद्र कुमार सिंह** - प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पीलीभीत (उ. प्र.) – 262201

शोध सारांश

शीर्षक: जनपद पीलीभीत में प्राथमिक स्तर पर गणित एवं हिंदी में कला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

यह शोध जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में गणित और हिंदी विषयों में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु किया गया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि किस प्रकार कला को शिक्षण विधियों में समाहित करने से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सुधार होता है। अध्ययन के अंतर्गत गणित और हिंदी विषयों में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले एवं न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की तुलना की गई। शोध परिकल्पना में यह अनुमान लगाया गया था कि कला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

परिणामस्वरूप पाया गया कि गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की अवधारणात्मक स्पष्टता और समस्या समाधान कौशल में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जिससे गणित उनके लिए रुचिकर विषय बन गया। इसी प्रकार हिंदी विषय में कला समेकित शिक्षण से विद्यार्थियों की पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने की दक्षता में वृद्धि हुई, तथा हिंदी साहित्य और व्याकरण को अधिक गहराई से समझने में सहायता मिली।

शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि गणित एवं हिंदी विषयों में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पारंपरिक शिक्षण विधियों से शिक्षित विद्यार्थियों की तुलना में अधिक प्रभावशाली रही। इस शोध से यह स्पष्ट होता है कि प्राथमिक स्तर की शिक्षा में कला समेकित शिक्षण एक उपयोगी और प्रभावी शिक्षण पद्धति हो सकती है, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक

उपलब्धि, सीखने की रुचि और विषयों की समझ में वृद्धि होती है। अतः प्राथमिक शिक्षा में कला समेकित शिक्षण को अपनाने की अनुशंसा की जाती है।

कूट शब्द :- कला समेकित शिक्षण, प्राथमिक स्तर विद्यालय, विद्यार्थियों की उपलब्धि , हिन्दी में कला समेकित शिक्षण , गणित में कला समेकित शिक्षण

प्रस्तावना

कला समेकित शिक्षण एक अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण है। इस अवधारणा का अभिप्राय अन्य विषयों में कला का समावेश करना है। अलग-अलग प्रकार की कलाओं का अन्य विषयों में शामिल होना, उदाहरण के लिए दृश्य कला, प्रदर्शन कला और साहित्य, शिक्षण अनुभवों को दिलचस्प और आनंददायक बनाता है। इसका तात्पर्य पाठ्यक्रम को भी एकीकृत करने से है, जहां कला कक्षा में सीखने का एक प्रमुख साधन बन जाती है। पाठ्यक्रम में कला का समावेश करने से विशेष रूप से अमूर्त अवधारणाओं को समझाने में सहायक होता है। कला समेकित पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों के कंटेंट को तार्किक, विद्यार्थी-केंद्रित और अर्थपूर्ण दृष्टिकोणों से संयोजित करने के साधन प्रदान कर सकता है।

कला को केंद्र में रखकर गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं के बीच एक संबंध स्थापित किया जा सकता है। इस तरह से विभिन्न विषयों को प्रभावी रूप से सिखाया जा सकता है। इस पद्धति से सीखने में समग्रता, आनंद और अनुभव होता है। कला समेकित शिक्षण से शिक्षण विधियों को सहज और प्रभावी बनाया जा सकता है। कला का सतत और व्यापक मूल्यांकन कौशल और उपकरणों के रूप में प्रयुक्त हो सकता है।

शिक्षार्थी कई बार अपने विचारों को वाणी में नहीं ला पाते। इस दौरान यदि कला का सहारा लिया जाए तो उनके अभिव्यक्तियों को उजागर करने में मदद मिल सकती है। नई शिक्षा नीति 2020 में इस कला समेकित शिक्षण पर ध्यान दिया गया है जिससे शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके।

भारत में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने कला समेकित शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार, कला समेकित शिक्षण विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, कला समेकित शिक्षण एक समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण है जो विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करता है और उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाता है। प्राथमिक स्तर पर हिन्दी और गणित विषय पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। जिसका कारण हिन्दी और गणित जो कि हमारे मूल विषय हैं और विद्यार्थी इन दोनों विषयों पर अपनी अवधारणाओं को पूर्ण रूप से स्पष्ट कर सकें। इन विषयों के प्रति अपनी अच्छी समझ विकसित कर सकें।

अध्ययन की आवश्यकता

जनपद पीलीभीत में प्राथमिक स्तर पर गणित एवं हिंदी में कला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करने की आवश्यकता शोधकर्ता को निम्नलिखित कारणों से पड़ी:

1. पारंपरिक शिक्षण की सीमाएँ:

पारंपरिक शिक्षण विधियाँ अक्सर रटने पर आधारित होती हैं, जिससे बच्चों में रचनात्मकता, समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास नहीं हो पाता। गणित और हिंदी जैसे विषयों को भी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित कर दिया जाता है। कला समेकित शिक्षण से इन विषयों को समझने और अनुभव करने का एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

2. बच्चों की अभिरुचि बढ़ाना:

प्राथमिक स्तर के बच्चे खेल और कला के माध्यम से जल्दी और अधिक प्रभावी रूप से सीखते हैं। कला समेकित शिक्षण से बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ती है, जिससे वे विषयों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

3. विषय की गहनता से समझ:

गणित और हिंदी जैसे विषयों को कला के माध्यम से पढ़ाने से बच्चों को कठिन अवधारणाओं को समझने में आसानी होती है। जैसे, गणित में ज्यामिति की अवधारणाओं को ड्राइंग के माध्यम से समझाना या हिंदी में रचनात्मक लेखन को नाट्य कला से जोड़ना।

4. बहुआयामी विकास:

कला समेकित शिक्षण से बच्चों का बहुआयामी विकास होता है — भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक। यह न केवल उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और संप्रेषण कौशल को भी विकसित करता है।

5. शोध की प्रायोगिक उपयोगिता:

इस शोध के निष्कर्ष शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और शैक्षिक संगठनों को कला समेकित शिक्षण के प्रभाव को समझने में मदद करेंगे। यह शिक्षण विधियों में सुधार और छात्रों की उपलब्धि को बढ़ाने के लिए सहायक हो सकता है।

इन सभी कारणों के आधार पर जनपद पीलीभीत में प्राथमिक स्तर पर गणित एवं हिंदी में कला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है।

अध्ययन का शीर्षक

“जनपद पीलीभीत में प्राथमिक स्तर पर गणित एवं हिंदी मेंकला समेकित शिक्षण का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

कला समेकित शिक्षण:- कला समेकित शिक्षण (**Art Integrated Learning**) का अर्थ है कला के विभिन्न रूपों — जैसे संगीत, नृत्य, चित्रकला, नाटक आदि को शिक्षा के साथ समेकित (इंटीग्रेट) करके एक प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया का निर्माण करना। इसमें कला

को केवल सहायक माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि विषयवस्तु को समझने और अभिव्यक्त करने के एक साधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।

प्राथमिक स्तर विद्यालय:- प्राथमिक स्तर विद्यालय का अर्थ उन विद्यालयों से है जहाँ प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाती है। ये विद्यालय बच्चों के शिक्षा जीवन का पहला चरण होते हैं और आमतौर पर कक्षा 1 से कक्षा 5 या 1 से कक्षा 8 तक की शिक्षा प्रदान करते हैं।

विद्यार्थियों की उपलब्धि:- विद्यार्थियों की उपलब्धि का अर्थ है छात्रों द्वारा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त किया गया ज्ञान, कौशल, और दक्षता। यह उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, मानसिक विकास, और व्यक्तित्व विकास को दर्शाता है।

हिन्दी में कला समेकित शिक्षण:- प्राथमिक कक्षाओं में हिन्दी शिक्षण के मुख्य उद्देश्य में भाषाई कुशलता (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) के साथ-साथ कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता आदि क्षमताओं का विकास भी है। कला समेकित शिक्षण इन कुशलता एवं क्षमताओं की वृद्धि का सशक्त माध्यम है। जैसे छात्रों को बातचीत के अवसर उपलब्ध करवाना, कहानियां एवं कविताएं सुनाना, सुनाना एवं लिखना, सिखाना आदि। यहां तक भाषिक कुशलताओं के अंतर्गत लेखन कौशल की बात करें तो इनकी शुरुआत बच्चे आड़ी तिरछी रेखाएं खींचकर करते हैं। आमतौर पर शिक्षा शास्त्र की हिन्दी में इसे शुरुआती लेखन कहा जाता है।

गणित में कला समेकित शिक्षण :- विभिन्न वस्तुओं के बीच संबंधों को समझना गणित का एक प्रमुख उद्देश्य है। गणित में गिनती, माप और आकार प्रमुख है। कला शिक्षा बच्चों को सम-विषम आकारों को पहचानने, द्विआयामी या त्रिआयामी आकृतियां बनाने में मदद करती है। जिससे बच्चे लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई, क्षेत्रफल आदि का अनुभव प्राप्त करते हैं।

शोध के उद्देश्य

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में गणित व हिन्दी में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना कला समेकित शिक्षण प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों से करना।

शोध की परिकल्पनाएं

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर हिंदी में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में गणित व हिन्दी में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि की तुलना कला समेकित शिक्षण प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों से तुलना के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध की सीमाएं

- **भौगोलिक सीमा:** यह अध्ययन केवल जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों तक सीमित रहेगा। अन्य जिलों या राज्यों के विद्यालय इसमें सम्मिलित नहीं किए जाएंगे।
- **विषय सीमा:** शोध केवल गणित और हिंदी विषयों पर केंद्रित रहेगा। अन्य विषयों की शैक्षणिक उपलब्धि पर इसका प्रभाव अध्ययन का हिस्सा नहीं होगा।
- **प्रतिभागियों की सीमा:** अध्ययन में केवल प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 5 तक) के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। माध्यमिक या उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थियों पर यह अध्ययन लागू नहीं होगा।
- **शिक्षण पद्धति की सीमा:** यह शोध केवल कला समेकित शिक्षण पद्धति के प्रभाव को मापेगा। अन्य शिक्षण विधियों (जैसे प्रौद्योगिकी-समर्थित शिक्षण, पारंपरिक शिक्षण आदि) की तुलना इसमें नहीं की जाएगी।
- **समय सीमा:** अध्ययन एक विशिष्ट शैक्षणिक सत्र तक सीमित रहेगा और दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन इसमें नहीं किया जाएगा।
- **मापन की सीमा**: शोध में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि का आकलन केवल निर्धारित मापदंडों (परीक्षा परिणाम, आंतरिक मूल्यांकन आदि) के आधार पर किया जाएगा। अन्य कारकों, जैसे मानसिक विकास, रचनात्मकता, या शिक्षण से जुड़ी अन्य सामाजिक-भावनात्मक पहलुओं पर प्रभाव की जांच नहीं की जाएगी।
- **नमूना चयन**: अध्ययन के लिए सीमित संख्या में विद्यालयों और विद्यार्थियों को यादृच्छिक (random) या उद्देश्यपूर्ण (purposive) तरीके से चयनित किया जाएगा, जिससे निष्कर्ष की सामान्यता (generalizability) सीमित हो सकती है।
- **शिक्षक कारक:** शोध में केवल कला समेकित शिक्षण की प्रभावशीलता को मापा जाएगा, न कि शिक्षकों की योग्यता, अनुभव, या उनके व्यक्तिगत शिक्षण तरीकों का विश्लेषण किया जाएगा।

- इस प्रकार, यह अध्ययन केवल पीलीभीत जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में कला समेकित शिक्षण पद्धति के प्रभाव को सीमित दायरे में विश्लेषण करने के लिए उपर्युक्त है।

अनुसंधान प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता के द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है सर्वेक्षण विधि वर्तमान की प्रतिनिधि स्थिति व्यवहार तथा शैक्षिक समस्याओं के समाधान हेतु प्रस्तुत की जाने वाली विधि है शोध कार्य में परिषदीय प्राथमिक स्तर पर बच्चों में कला समेकित शिक्षण तथा उसके प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा तथा तथ्यों के एकत्रीकरण हेतु सर्वेक्षण विधि से अध्ययन किया जाएगा।

शोध की जनसंख्या एवं प्रतिदर्श चयन

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने जनपद पीलीभीत के सभी 08 शैक्षिक विकासखंड में से कुल 320 विद्यार्थियों का चयन किया, जिसमें प्रत्येक शैक्षिक विकासखंड से 04-04 स्कूलों का चयन किया गया। जिसमें प्रत्येक स्कूल से कक्षा 3 में अध्ययनरत् 10 विद्यार्थियों का सरल यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि से प्रदत्तों का संकलन किया गया।

इस शोध में केवल जनपद पीलीभीत के कुछ विद्यालयों को शामिल किया गया, इसलिए परिणाम सभी विद्यालयों पर लागू नहीं हो सकते। कला समेकित शिक्षण विधि का प्रयोग विद्यालयों में विभिन्न रूपों में किया गया। जिससे परिणाम में कुछ भिन्नताएं हो सकती हैं। शोध में शामिल विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि और शिक्षा का स्तर भिन्न हो सकता है, जिससे परिणामों पर असर पड़ सकता है।

शोध उपकरण एवं तकनीक

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता के द्वारा गणित और हिंदी विषय में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए पूर्व-परीक्षण और पश्च-परीक्षण (Pre-test and Post-test) विधि का प्रयोग किया गया। पूर्व-परीक्षण द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान का प्रारंभिक मूल्यांकन किया गया , जबकि पश्च परीक्षण द्वारा इस बात का मूल्यांकन किया गया की कला समेकित शिक्षण विधि के बाद उसकी उपलब्धियों में कितनी वृद्धि हुई ?

इसके अंतर्गत स्वनिर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पूर्व तथा पश्च के परीक्षणों के माध्यम से कुल 60 प्रश्नों (30 हिंदी व 30 गणित) को शामिल कर शोधकर्ता द्वारा अध्ययन किया गया।

सांख्यिकी विश्लेषण की प्रक्रियाएं

प्रस्तुत अनुसंधान में निम्नलिखित सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है-

1- संग्रहित आंकड़ों का मध्यमान व मानक विचलन प्राप्त किया गया।

2- समूहिक टी-परीक्षण (paired t-test) का प्रयोग स्वतंत्र चर के आश्रित चर पर प्रभाव को देखने हेतु प्रयुक्त किया गया।

डेटा विश्लेषण और परिणाम

सांख्यिकीय डाटा, ग्राफ, चार्ट व तालिकाओं सहित निष्कर्ष की प्रस्तुति

उद्देश्य 1-

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना।

उपरोक्त उद्देश्य 1 की प्राप्ति के लिए शोधकर्ता द्वारा शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया जिसे परिकल्पना संख्या 1-जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव के सम्बन्ध में पूर्व व पश्च किये गये परीक्षण का मान सारणी 1 में अंकित है -

सारणी -1

समूह	**संख्या**	**मानक विचलन**	**T- मान**	**P- मान**
पूर्व परीक्षण समूह	320	9.06	3.68	**0.0027**
पोस्ट परीक्षण समूह	320			

व्याख्या -

तालिका 1 विश्लेषण उपरांत स्पष्ट रूप से कला समेकित शिक्षण से गणित विषय पढ़ने के पूर्व तथा गणित विषय पढ़ने के पश्चात दोनों समूह में अंतर आता है या नहीं उसका परीक्षण करता है और यह परीक्षण सीखने के परिणाम पर प्रत्येक अंतर के प्रभाव की पहचान करने के लिए पूर्व परीक्षण और पश्च परीक्षण अंतर के संदर्भ में दो समूहों के बीच स्पष्ट विसंगति का सुझाव देते हुए स्वतंत्र चर और आश्रित चर के बीच अंतर का पता लगाने के लिए सामूहिक टी-परीक्षण (paired t- test) की गणना की गई थी। सामूहिक टी-परीक्षण उपरांत दोनों समूहों के माध्य में अंतर को दर्शाता है। पूर्व परीक्षण का औसत 12.8 निकला जबकि पश्च परीक्षण का औसत 14.5 निकला और टी-मान 3.68 है जो कि 0.05 और 0.01 स्तर पर सार्थक है और पी मान 0.0027 है जो की मानक महत्व की सीमा से काफी नीचे है, अतः परिकल्पना संख्या 1 जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक

उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकृत की जाती है।

परिणाम-

गणित विषय को पढ़ाने में कला समेकित शिक्षण का प्रभाव विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सकारात्मक और महत्वपूर्ण रहा है।

पूर्व परीक्षण और पश्च परीक्षण के बीच विद्यार्थियों के परिणामों में एक महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है, जो इस बात का संकेत है कि कला समेकित शिक्षण विधि प्रभावी रही है।

इसका मतलब है कि कला समेकित शिक्षण विधि विद्यार्थियों की गणितीय कौशलों और कला के प्रति समझ में सुधार करने में मददगार रही है।

पूर्व प्रशिक्षण व पश्च परीक्षण उपरांत गणित विषय में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन बार ग्राफ द्वारा प्रस्तुतीकरण -

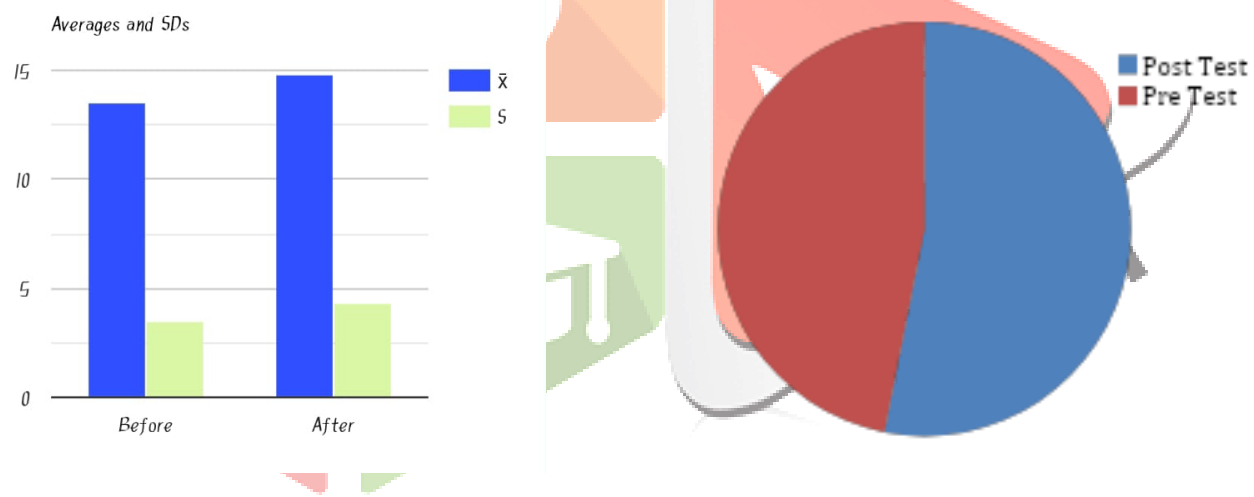

उद्देश्य 2-

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना।

उपरोक्त उद्देश्य 2 की प्राप्ति के लिए शोधकर्ता द्वारा शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया जिसे परिकल्पना संख्या 2-जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव के सम्बन्ध में पूर्व व पश्च किये गये परीक्षण का मान सारणी 2 में अंकित है -

सारणी - 2

समूह	संख्या	मानक विचलन	T- मान	P- मान
पूर्व परीक्षण समूह	320	6.3	3.78	**0.00185**
पोस्ट परीक्षण समूह	320			

व्याख्या -

तालिका 2 विश्लेषण उपरांत स्पष्ट रूप से कला समेकित शिक्षण से हिन्दी विषय पढ़ने के पूर्व तथा हिन्दी विषय पढ़ने के पश्चात दोनों समूह में अंतर आता है या नहीं उसका परीक्षण करता है और यह परीक्षण सीखने के परिणाम पर प्रत्येक अंतर के प्रभाव की पहचान करने के लिए पूर्व परीक्षण और पश्च परीक्षण अंतर के संदर्भ में दो समूहों के बीच स्पष्ट विसंगति का सुझाव देते हुए स्वतंत्र चर और आश्रित चर के बीच अंतर का पता लगाने के लिए सामूहिक टी-परीक्षण(paired t- test) की गणना की गई थी। सामूहिक टी-परीक्षण उपरांत दोनों समूहों के माध्य में अंतर को दर्शाता है। पूर्व परीक्षण का औसत 13.6 निकला जबकि पश्च परीक्षण का औसत 15.5 निकला और टी-मान 3.78 है जो कि 0.05 और 0.01 स्तर पर सार्थक है और पी मान 0.00185 है जो की मानक महत्व की सीमा से काफी नीचे है, अतः परिकल्पना संख्या 2 जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिणाम-

हिन्दी विषय को पढ़ाने में कला समेकित शिक्षण का प्रभाव विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सकारात्मक और महत्वपूर्ण रहा है।

पूर्व परीक्षण और पश्च परीक्षण के बीच विद्यार्थियों के परिणामों में एक महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है, जो इस बात का संकेत है कि कला समेकित शिक्षण विधि प्रभावी रही है।

इसका मतलब है कि कला समेकित शिक्षण विधि विद्यार्थियों को हिन्दी विषय के प्रति समझ में सुधार करने में मददगार रही है।

पूर्व प्रशिक्षण व पश्च परीक्षण उपरांत हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन बार ग्राफ द्वारा प्रस्तुतीकरण –

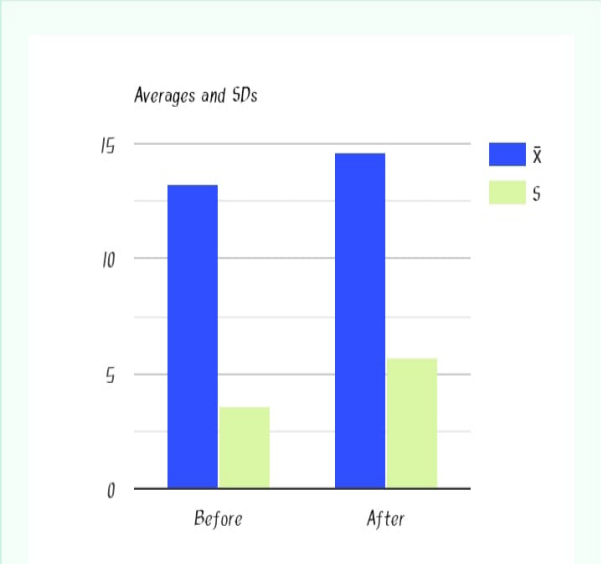

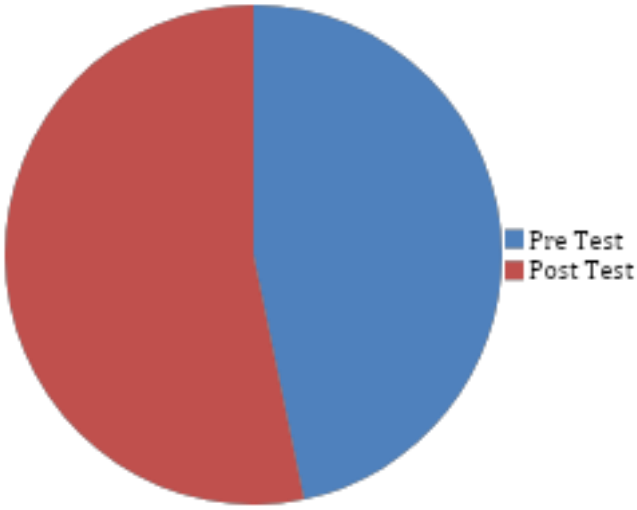

उद्देश्य 3-

उपरोक्त उद्देश्य 3 की प्राप्ति के लिए शोधकर्ता द्वारा शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया जिसे परिकल्पना संख्या 3- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर गणित एवं हिंदी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर गणित एवं हिंदी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर गणित एवं हिंदी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर गणित एवं हिंदी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर का विवरण सारणी संख्या 3 में अंकित है-

सारणी - 3

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t-मान	p-मान
गणित व हिन्दी में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का शैक्षणिक उपलब्धि स्तर (पूर्व परीक्षण)	640	26.4	1.57	2.29	**1.96**
गणित व हिन्दी में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का शैक्षणिक उपलब्धि स्तर (पूर्व परीक्षण)	640	30			

व्याख्या-

तालिका 3 विश्लेषण उपरांत स्पष्ट रूप से कला समेकित शिक्षण द्वारा गणित विषय पढ़ने के पूर्व व पश्चात तथा हिन्दी विषय पढ़ने के पूर्व व पश्चात दोनों समूह में अंतर आता है या नहीं अर्थात कला समेकित शिक्षण का प्रभाव हिन्दी व गणित विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर ज्यादा है, कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर इन दोनों का अंतर गणित व हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर (पूर्व परीक्षण) तथा कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (पश्च परीक्षण) उपरांत दोनों समूहों की तुलना पूर्व परीक्षण के मध्यमान विश्लेषण उपरांत जो कि इस प्रकार है- पूर्व परीक्षण उपरांत हिन्दी व गणित विषय का मध्यमान 26.4 तथा पश्च परीक्षण उपरांत मध्यमान 30.0 है,अर्थात दोनों समूहों के मध्यमान में अंतर प्रदर्शित होता है तथा मानक विचलन पूर्व परीक्षण तथा पश्च परीक्षण 1.57 है। दोनों समूहों का t-मान 2.29 व सार्थकता स्तर 1.96 है, जो मानक महत्व की सीमा से काफी नीचे है। अतः परिकल्पना 3- हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर एवं हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है को हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर एवं हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर में अस्वीकार किया जाता है तथा परिकल्पना संख्या 3 अश्वीकृत की जाती है।

हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर एवं हिन्दी व गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर की प्रस्तुतीकरण-

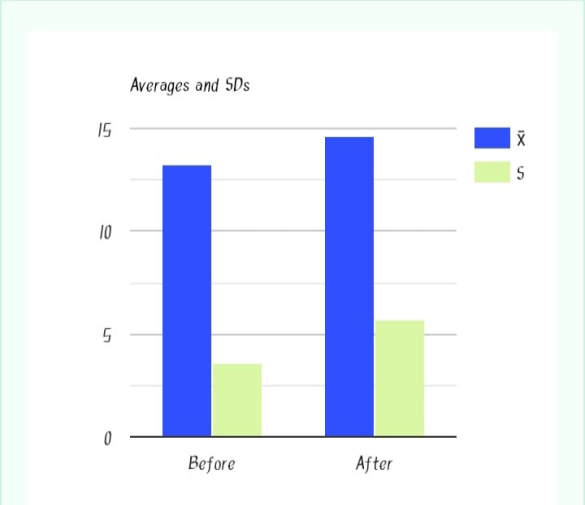

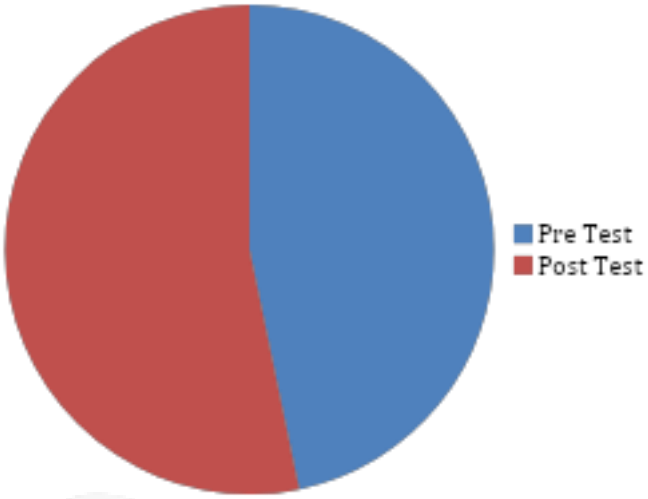

निष्कर्ष

1.गणित में निष्कर्ष-

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा गणित विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया।

- गणितीय अवधारणाओं को जब कला के साथ जोड़ा गया, तो बच्चों की अवधारणात्मक स्पष्टता और समस्या समाधान कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया।
- बच्चों ने गणित के डर को पीछे छोड़ते हुए इसे एक रुचिकर विषय के रूप में अपनाया।

2.हिंदी में निष्कर्ष-

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया।
- बच्चों की भाषाई दक्षता (पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने) में सुधार हुआ।
- हिंदी साहित्य और व्याकरण को कला के माध्यम से प्रस्तुत करने से बच्चे इन अवधारणाओं को गहराई से समझ सके।

3. कला समेकित शिक्षण प्राप्त न करने वाले तथा शिक्षण प्राप्त करने वाले में विद्यार्थियों का निष्कर्ष-

जनपद पीलीभीत के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गणित एवं हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण न प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा गणित एवं हिन्दी विषय में कला समेकित शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया।

भविष्यगत सुझाव

- कक्षा 1–3 और 4–5 में कला का समेकन क्रमशः 80 प्रतिशत और 70 प्रतिशत होना आवश्यक है। (राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का ढांचा 2005)।
- कक्षा 1 और 2 के बच्चों को सामग्रियों के साथ स्वतंत्र रूप से छोड़ दिया जाना चाहिए, ताकि वे उसका उपयोग करें और अपने चारों ओर की विषयवस्तु और परिस्थितियों को व्यक्त कर सकें।
- प्राथमिक स्तर पर, कला को सभी विषयों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए और विभिन्न विचारों के शिक्षण-सीखने के लिए एक माध्यम के रूप में इसका उपयोग होना चाहिए।
- कला समेकित शिक्षण का उपयोग केवल गणित और हिंदी तक सीमित न रहे, बल्कि अन्य विषयों में भी इसे लागू किया जाए।
- कला समेकित शिक्षण के लिए संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विद्यालयों में भौतिक, डिजिटल, मानव और स्थानीय संसाधनों को एकीकृत करके विद्यार्थियों के लिए एक समृद्ध और व्यावहारिक शिक्षण वातावरण तैयार किया जा सकता है। कला के माध्यम से सीखने की यह पद्धति न केवल शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ाती है, बल्कि रचनात्मकता, संज्ञानात्मक कौशल और भावनात्मक संतुलन को भी विकसित करतीहै।

सन्दर्भ ग्रंथ

- खान, मोहम्मद मुजफ्फर अली, शेख लियाकत, द इपोर्टेन्स ऑफ फाइन आर्टस एडुकेशन एन ओवरविव्यू जरनल, जरनल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमनिटीज एण्ड सोशल साइंस वॉल्यूम-4 इश्यू 10, 2016
- द सिओल एजेंडारू गोल्स फॉर द डेव्लपमटें ऑफ आर्ट्स एडुकेशन, द सेकेण्ड वर्लड कॉफेरेंस ऑन आर्ट एडुकेशन सिओल 2010
- पोजीशन पेपर ऑन आर्टस, म्यूजिक डांस एड थिएटर, एनसीईआरटी 2006
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा एनसीईआरटी, 2005

- ट्रेनिग पैकेज फॉर आर्ट इंटीग्रेटेड फॉर प्राइमरी टीचर एनसीईआरटी 2015
- सेंट जॉर्ज, डोना, सेंट मोर स्कूल्स आर वर्किंग टु इंटीग्रेटेड आर्टस इन क्लास रूम वाशिगंटन पोस्ट दिसंबर 2015
- नोबोरी मारिकों हाऊ व आर्ट्स अनलॉक व डोर टू लर्निंगय एडुटोपिया जॉर्ज लकस फाउंडेशन फॉर एडुकेशन अगस्त 2012
- रिपोर्ट ऑन नेशनल सेमिनार ऑन आर्ट इदं रीगेटेड लर्निंग, डीईएए, एनसीईआरटी 2012
- प्रसाद, देवी. आर्ट द बेसिस ऑफ एडुकेशन, नेशनल बुक ट्रस्ट, 1998
- जे.एम. स्मिता, एक्टिव लर्निंग एज एन इफ्फेक्टिव टूल दु एनहनेन्स कोग्नीशन, जरनल ऑफ इण्डिया एडुकेशन नवंबर 2017 पृष्ठ, 155-168
- रेइस, रिकौं पब्लिक आर्ट एज एन एडुकेशन रिसोसर्स इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एडुकेशन थ्रो आर्ट, वॉल्यूम 6. 2010.पृष्ठ 85-96
- डनकम, पी. 'अ केस फॉर एन एडुकेशन ऑफ एवेरी डे एस्थेटिक एक्सपेरिएन्स स्टूडेंटइन आर्ट एडुकेशन वॉल्यूम 40,1999. पृष्ठ. 295-311
- स्पीलाने, जेम्स पी. मेगन होपकिंस, एडटेरेसी एम स्वीट "इंट्रा- एड इंटर स्कूल इंटरेक्शन अबाउट इस्ट्रं कशनरू एक्सप्लोरिंग द कंडीशन फॉर सोशियल केपिटल डेव्लपनटें" अमेरिकन जनरल ऑफ एजुकेशन, नंबर. 1. 2015. पाठ. 71-110.
- ब्रौईल्लेते, लिएन, हाऊ द आर्ट्स हलेप चिल्डेरेन टु क्रिएट हलेथी सोशियल स्क्रिप्ट्स रू एक्सप्लोरिंग द परशपशन ऑफ एलिमेंट्रीटीचर्स, आर्ट एडुकेशन पॉलिसी 111, 1, 2009. पृष्ठ 16-24